मूल्यांकन (Evaluation)

Meaning of Evaluation :-

मूल्यांकन शैक्षिक प्रक्रिया का आवश्यक अंग है जो जीवन प्रक्रिया का भी महत्वपूर्ण अंग है। शिक्षण क्रिया द्वारा व्यक्ति के तीनों पक्षों अर्थात ज्ञानात्मक, भावात्मक एवं क्रियात्मक का विकास किया जाता है। जहाँ मापन का क्षेत्र संकुचित है, वहीं मूल्यांकन का क्षेत्र अत्यन्त विस्तृत होता है। इसलिए मापन की अपेक्षा मूल्यांकन को अधिक महत्व दिया जाता है।

शिक्षा के अन्तर्गत शिक्षण प्रक्रिया, विधियाँ, पुस्तकें, शिक्षण उद्देश्य आदि सभी को शामिल किया जाता है व सभी का मूल्यांकन किया जाता है। मूल्यांकन कोई ऐसी वस्तु नहीं है जिससे हम पदार्थों का संग्रह कर सकें।

Definition of Evaluation :-

क्विलेन तथा हन्ना के अनुसार :-

"विद्यालय द्वारा बालक के व्यवहार में हुए परिवर्तन के विषय में साक्षियों के संकलन तथा उनकी व्याख्या करने की प्रक्रिया ही मूल्यांकन है।

("Evaluation is the process of gathering and interpreting evidences on changes in the behavior of the students as they progress through school.")

Scanned with CamScanner

वेस्ले के अनुसार :-

"मूल्यांकन एक समावेशित धारणा है जो इच्छित परिणामों के गुण, महत्व प्रभावशीलता का निर्णय करने के लिए समस्त प्रकार के प्रयासों एवं साधनों की ओर संकेत करती है। यह वस्तुगत प्रमाण तथा आत्मगत निरीक्षण का मिश्रण है। यह संपूर्ण एवं अंतिम अनुमान है।"

("Evaluation is the inclusive concept, it indicates all kinds of means to ascertain the quality, value and effectiveness of desired outcomes. It is a compound of objective evidences and subjective observation. It is the total and final estimate. It is valuable and indispensable guide to the modification of policies and further action.

टारगार्सन तथा एडम्स के शब्दों में :-

"मूल्यांकन करना किसी वस्तु या प्रक्रिया के महत्व को निर्धारित करना है। इस प्रकार शैक्षिक मूल्यांकन शिक्षण प्रक्रिया या सीखने युक्त अनुभव के औचित्य की मात्रा पर निर्णय प्रदान करता है।

श्रीमती राजकुमारी शर्मा के अनुसार :-

"शिक्षा कार्यक्रम ने शिक्षा के उद्देश्यों की कितनी पूर्ति की है, पता लगाना ही मूल्यांकन है।"

Scanned with CamScanner

मूल्यांकन की विशेषताऐं (Characteristics of Evaluation)

(1) मूल्यांकन एक निरन्तर तथा सामाजिक प्रक्रिया है।

(2) मूल्यांकन लगातार चलने वाली प्रक्रिया है जिसमें विद्यार्थियों की प्रगति के बारे में जानने हेतु अनेक तरह के प्रयास किए जाते हैं।

(3.) यह शिक्षण अधिगम परिणामों को परिमाणात्मक एवं गुणात्मक दोनों तरह से प्रस्तुत करता है।

(4.) मूल्यांकन के द्वारा निर्धारित उद्देश्यों की प्राप्ति के सन्दर्भ में शिक्षक, शिक्षार्थी एवं शिक्षण विधियाँ तथा शैक्षिक व्यवस्था की गुणवत्ता कैसी रही इसकी जाँच सम्भव है।

(5.) मूल्यांकन प्रक्रिया छात्रों को अपनी प्रगति एवं दोषों से परिचित कराती है तथा उन्हें और अधिक सीखने के लिए प्रेरणा प्रदान करती है।

(6.) जिस स्तर पर मूल्यांकन कर रहे हैं उसी स्तर का प्रश्न-पत्र होना चाहिए। निम्न एवं उच्च नहीं अर्थात् सुविधानुसार प्रश्न-पत्र का निर्माण होना चाहिए।

(7.) मूल्यांकन ऐसा हो, जिसमें अंक प्राप्ति के पश्चात कोई छात्र को ~~कष्ट~~ दुःख न हो।

(8.) मूल्यांकन में विश्वसनीयता एवं वैधता होनी चाहिए

Scanned with CamScanner

शैक्षिक प्रक्रिया में मूल्यांकन की उपयोगिता (Utility of evaluation in Educational process):-

(1) विद्यार्थियों की व्यक्तिगत कमजोरी एवं क्षमताओं का पता लगाने के लिए।

(2) विद्यार्थियों की अभिवृत्तियों एवं रुचियों का पता लगाने के लिए

(3.) विद्यार्थियों में सीखने की प्रक्रिया को उत्प्रेरित करने के लिए

(4.) विद्यार्थियों को उनकी अध्ययन योजना निर्माण में दिशा-निर्देश देने तथा मूल्यांकन के आधार पर पाठ्यक्रम, एवं पाठ्यचर्या में परिवर्तन करने के लिए

(5) विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों, प्रधानाध्यापक तथा संरक्षकों को विद्यार्थियों की उपलब्धियों की उपलब्धि एवं प्रगति की स्पष्ट जानकारी देने के लिए

(6.) निर्धारित पाठ्यक्रम, पाठ्य-पुस्तक और उद्देश्यों की सम्पुष्टि के लिए

(7) शिक्षण कार्य एवं विद्यार्थियों के सम्बन्धित सामाजिक, नैतिक, शारीरिक तथा शैक्षणिक समस्याओं के निदान एवं उपचार के लिए

(8.) विद्यार्थियों के स्थायी रिकार्ड (अभिलेखों) के लिए एवं सम्बन्धित आँकड़े एकत्रित करने के लिए।

शैक्षिक मूल्यांकन के गुण (Merits of Educational Evaluation):-

(1) शैक्षिक मूल्यांकन का दृष्टिकोण सुधारवादी होता है इसके अन्तर्गत बालक को अपनी प्रतिभा को विकसित करने का अवसर मिलता है।

(2) शैक्षिक मूल्यांकन लचीला होता है अर्थात एक बार निर्मित मूल्यांकन के साधन प्रश्न-पत्र या परख पत्र आदि को कठोरता के साथ प्रयुक्त करने की अपेक्षा उसमें आवश्यकतानुसार सुधार करने की स्थिति बनी रहती है।

(3.) शैक्षिक मूल्यांकन द्वारा बालकों को पूर्ण या शत-प्रतिशत सीखने की ओर अग्रसर किया जाता है जिसके फलस्वरूप बालक प्रेरित होकर अधिगम की ओर उन्मुख होते हैं।

(4.) शैक्षिक मूल्यांकन इस बात की सूचना देता है कि शिक्षक की कौन-सी विधि किस विषय में किस बालक के लिए उपयुक्त है और कौन-सी अनुपयुक्त है?

(5.) मूल्यांकन सहकारी प्रक्रिया है। छात्रों के व्यवहार के समग्र मूल्यांकन के लिए, अध्यापक, विद्यालय के कर्मचारियों, सहपाठियों एवं अभिभावकों आदि सभी लोगों के सहयोग से आँकड़े प्राप्त करना सम्भव है।

Scanned with CamScanner